अपने संस्थान के साथ अपनत्व स्थापित करें – डॉ. भट्ट

झाँसी, 13 अक्टूबर, 2021। केन्द्रीय कृषिवानिकी अनुसंधान संस्थान, झाँसी में आज **''आजादी का अमृत महोत्सव''** के अन्तर्गत एक विचार मंच का आयोजन, विश्व खाद्य दिवस (16 अक्टूबर, 2021 के उपलक्ष्य में) डॉ. बी. पी. भट्ट, प्रधान वैज्ञानिक, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन विभाग, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली एवं पूर्व निदेशक आई.सी. ए.आर. संस्थान, पटना (बिहार) के मुख्य आतिथ्य में आयोजित किया गया। अपने उद्बोधन में डॉ. बी. पी. भट्ट ने कहा कि संस्था के विकास में हम जो कार्य करते हैं उसमें तीन प्रश्न करने चाहिये, प्रथम हम यह कार्य क्यों करना चाहते हैं, द्वितीय इसका व्यवहारिक उपयोग क्या है तथा तृतीय यह कार्य संस्था के उद्देश्य को पूरा कर सकता है या नहीं। उन्होंने अपनी सोच में बदलाव ला कर संस्था को अपनत्व के भाव से जोड़ना उचित बताया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुये संस्थान के निदेशक डॉ. ए. अरूणाचलम ने कहा कि खाद्य एवं पोषण सुरक्षा हेतु कृषिवानिकी का योगदान महत्वपूर्ण है। उन्होंने आगे कहा कि दक्षिण एशिया में स्थित यह संस्थान भारत का एक मात्र कृषिवानिकी संस्थान है, जो कि अखिल भारतीय परियोजना के तहत पूरे देश में किसान भाईयों को लाभान्वित कर रहा है।

कार्यक्रम की शुरूआत भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के कुलगीत से की गयी। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. आर. पी. द्विवेदी ने मंचासीन अतिथियों एवं सभागार में उपस्थित संस्थान के समस्त कार्मिकों का स्वागत किया तथा विचार मंच के माध्यम द्वारा विश्व खाद्य दिवस के महत्व के बारे में विस्तृत जानकारी दी एवं सभागार में उपस्थित श्रोंताओं से यह नारे जैसे ''**लकड़ी चारा फल और अन्न्, कृशिवानिकी है जीवन**'' तथा ''**कृशिवानिकी – एक जीवन दायनी**'' लगवाये।

कार्यक्रम में संस्थान के वैज्ञानिक, अधिकारी तथा कर्मचारीगण सम्मिलित रहे तथा श्रोंताओं की तरफ से भी विचार मंच में बढ़–चढ़ कर हिस्सा लिया गया।

विचार मंच का संचालन डॉ. आर. पी. द्विवेदी एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुशील कुमार यादव ने किया।

WELCOME
विचार मंच
VICHAAR MANCH

WELCOME
विचार मंच
VICHAAR MANCH